(c) Government regret that persons associated with extremist organisations had used a cultural event for narrow sectarian purposes.

Criticism of loan melas by R.B.I.

1391. SHRI RAMKRISHNA MAZUMDER:
SHRI CHITTA BASU:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether an R. B. I. study has criticised the loan melas as a 'near failure'; and

(b) if so, whether Government would take another look at the Self-Employment Programme?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI JANARDHAN POOJARI): (a) No, Sir.

(b) Presumably the reference is to Self-Employment Programme for Urban Poor (SEPUP) launched from September, 1986. There is no such stipulation that loans granted under SEPUP be disbursed only in credit camps.

विदेशों में भारतीय मिशनों में हिन्दी अनुभाग

1392. **श्री राम चन्द्र विकल** : क्या विदेश मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पिछले तीन वर्षों के दौरान विदेशों में किन-किन भारतीय मिशनों में हिन्दी अनुभाग बनाकर हिन्दी अधिकारियों की नियुक्ति की गई है ;

(ख) क्या विभिन्न मिशनों में कार्यरत ऐसे अधिकारियों के वेतनमानों में कोई अन्तर है ; यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं ; और

(ग) प्रत्येक मिशन में इन अधिकारियों के वेतनमानों का ब्यौरा क्या है तथा उनको क्या कार्य सौंपे गए हैं ?

विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस॰ बंगारप्पा) : (क) विदेश स्थित किसी भी भारतीय मिशन में हिन्दी अनुभाग नहीं बनाया गया है ; तथापि पिछले तीन वर्षों के दौरान लन्दन, पारामारीबो और जार्जटाउन स्थित मिशनों में हिन्दी अधिकारियों के तीन पद बनाए गए हैं और उन पर अधिकारी नियुक्त कर दिए गए हैं ।

(ख) जी नहीं ।

(ग) लन्दन, पारामारीबो और जार्जटाउन में हिन्दी अधिकारियों के पदों का वेतनमान 650—1200 रुपये है । राजभाषा अधिनियम के संवैधानिक प्रावधानों के कार्यान्वयन की अतिरिक्त विदेशों में तैनात हिन्दी अधिकारियों के कर्तव्य मोटे तौर पर नीचे लिखे अनुसार हैं :

(1) विदेशों में हिन्दी के प्रचार-प्रसार की योजना को कार्यरूप देना ।

(2) राजभाषा संबंधी आदेशों के क्रियान्वयन में मिशनों की सहायता करना;

(3) हिन्दी कक्षाएं आरम्भ करने में स्थानीय विश्वविद्यालयों को सहायता और परामर्श देना ;

(4) जहां आवश्यक हो यह सुनिश्चित करना कि हमारे मिशन समाचार बुलेटिन हिन्दी में निकालें ।

(5) विदेशियों के साथ-साथ भारतीयों, विशेषकर मिशन-स्टाफ के लिए भी हिन्दी कक्षाओं की व्यवस्था करना ;

(6) जहां आवश्यक हो मिशन को अपना कार्य हिन्दी में करने में सहायता प्रदान करना जिसमें भारत से यात्रा करने वाले अति महत्वपूर्ण व्यक्तियों के लिए हिन्दी भाषण तैयार करना शामिल है ।